



जौहर



जौहर



चित्रांकन : राम दाईरकर



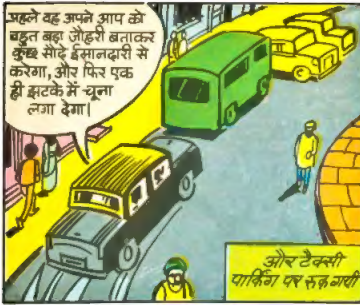










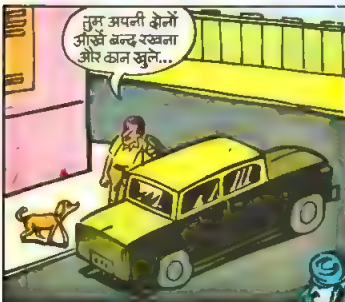


















चुनचुन का आदमी वापिस अदबे पर पहुँचा—



चले ने चुनचुन को पूरी बात बना दी—

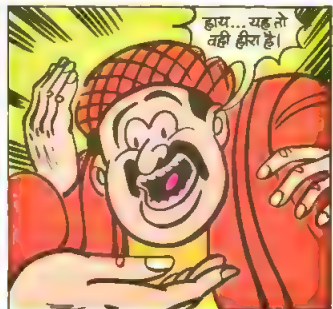
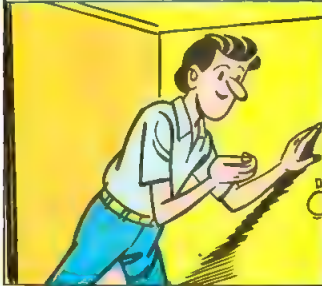


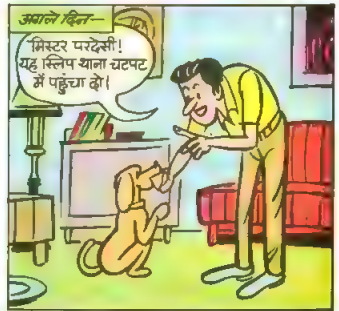
अब जौहर अपना जाल बिछा रहा था—

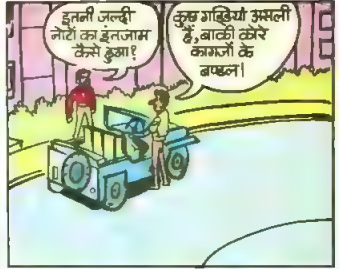




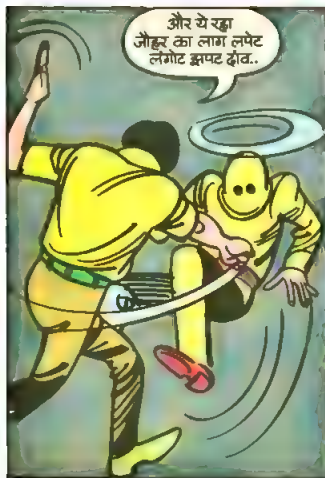
जौहर तुरंत होटल के दूसरे कमरे में पहुँचा—























पहाड़ी के दूसरी तरफ जौहर चुनचुन के पीछे था—







